(c) Since independence, flood control measures in an organised manner have been implemented to control the floods of Brahamputra and till the end of Eighth Plan an area of 1.63 million hectares in the Brahamputra valley has been given reasonable protection against floods through construction of 4,450 km. of embankment, 643 anti-erosion works, 85 major sluices and 85 km of drainage channels. During the IX Plan, it is anticipated that an additional area of 0.65 lakh hectare will be benefitted by the implementation of further flood control schemes in the Brahamputra basin.

Misappropriation at NPCC

457. SHRI RAJNATH SINGH SURYA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that lot of fund
is being misappropriated by the management of National Projects Construction Corporation Limited (NPCC) at Agartala;

(b) whether the complaints formal or informal have been revived in this regard;

(c) if yes, action taken thereon; and

(d) if not, whether Government are willing to take action against the erring officials?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI SOMPAL): (a) to (d) The complaints against officers of NPCC Ltd. whenever reported are invariably examined in the Ministry and appropriate action taken.

भू-जल स्तर

458. **श्री कपिल सिब्बल** :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि गत कुछ वर्षो से देश में भू-जल स्तर निरंतर घटता जा रहा हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश के राज्यों में भू-जल स्तर घटने के संबंध में अनुमान लगाया हैं; और

(ग) यदि हां, तो किन-किन राज्यों में विगत दशक में भू-जल स्तर में औसतन कितनी कमी आई हैं और इसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल) : (क) केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा किए गए दीर्घकालीन प्रेक्षणों से देश के विभिन्न भागों में भूजल स्तर में उतार और चढ़ाव दोनो स्थितियां देखने में आई हैं।

(ख) और (ग) केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड ने जहां कुछ क्षेत्रों में भूजल स्तर में चार मीटर से अधिक गिरावट पाई हैं उन जिलों का राज्यवार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया हैं। (नीचे देखिए)

भू-जल स्तर में गिरावट मुख्यतः वार्षिक पुनर्भरण से अधिक जी निकासी, वर्षा की मात्रा एवं वितरण में असामनता, बढ़ रहे नगरीकरण, वनों की कटाई एवं कृषकों द्वारा जल सधन कृषि पद्वति अपनाने के कारण भूजल के पुनर्भरण में कमी से होती हैं।

विवरण

क्रम.सं.	राज्य	अधिक गिरावट का जिले वार विवरण जिले
1.	हरियाणा	भिवानी, रोहतक, जींद, यमुना नगर, कुरूक्षेत्र, करनाल, कैथल, महेन्दरगढ़, रिवाड़ी, गुडगांव, फरीदाबाद, पानीपत
2.	पंजाब	अमृतसर, जालंधर, फरीदकोट, लुधियाना, फतेहगढ़, पटियाला, संगरूर, भटिंडा
3.	राजस्थान	अलवर, बीकानेर, चुरू, झुनझुन, भरतपुर, धोलपुर, वीसा, जयपुर, सीकर, नागौर, जैसलमेर, अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर, पाली, जालौर, सिरोही, बाड़मेर, जोधपुर, भीलवाड़ा, राजसमन्द, उदयपुर, कोटा, मंदसौर, चितौडगढ़, बूंदी
4.	गुजरात	भुज, राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली, सुरेन्द्रनगर, बनासकांठा
5.	उत्तर प्रदेश	नैनीताल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, बरेली, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, गौंडा, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर, फिरोजाबाद, ललितपुर, गाजियाबाद, फतेहगढ़, सहारनपुर, मेरठ, जौनपुर, झांसी , बनारस , बलिया
6.	पश्चिमी बंगाल	पुरूलिया
7.	असम	गोलाघाट, सोनितपुर, लखीमपुर, कछार
8.	मध्य प्रदेश	गुना, पन्ना, सतारा, शाहजहांपुर, सागर, अंबिकापुर, उज्जैन, देवास, धार, इंदौर, खारगांव, छिंदवाड़ा, नरसिंगपुर, होशंगाबाद, बिलासपुर, रायपुर, जगदलपुर, मुरैना, पूर्वी निमाड़, राजनदगांव, दुर्ग, रतलाम
9.	कर्नाटक	बंगलौर, बेलगांव, वेल्लारी, बीजापुर, धारावाड़, कोलार, मंडिया, उत्तर कनड,शमोगा, गुलबर्गा, मैसूर
10.	तमिलनाडु	दक्षिणी आरकोटा, सलेम, कोयम्बटूर, पुडडुकोटाई, मदुरै, दूनगर, कामराजार, तिरूनेलवेली, तिरूचेरापल्ली, तंजावूर
11.	बिहार	पूर्वी सिंहभूम, रांची
12.	महाराष्ट्र	जलगांव
13.	आंध्र प्रदेश	मेडक, रंगारेड्डी, महबूबंनगर, नालगौंडा, कुडप्पा, चित्तूर
14.	उड़ीसा	कोरापुट, मयूरभज

v'atcr Management

459. PkOF. VIJAY KUMAR MALHOTRA:
SHRI RAGHVJI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Mr. B.N. Navalawala, Advisor, Planning Commission, while delivering a lecture at the Institute of Engineers stated that Water use management should be given priority by conjunctive use of rain water, surface water and ground water to avert serious crisis in the middle of 21st Centurv;